आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date: 26-12-14

अपने निस्वार्थ प्रेम से हम ब्राह्मण आत्माओं के दिलों पर राज करने वाले, बेहद के दिलाराम-बाप ने कहा, मीठे बच्चे - तुम्हारे यह गीत कि रिकार्ड तुम्हारे लिए संजीवनी बूटी हैं, इन्हें बजाने से तुम्हारी मुरझा-इस निकल जायेगी.

हम ब्राह्मण आत्मा ये बाबा को बेहद का रुहानी प्यार करते है. जब कोई बात होती है और हम बाबा को दिल से याद करते है तो हमारा भोला बाबा हमारी मदद के लिए दौड़ा-दौड़ा चला आता हैं. वह प्यार का सागर हमारे दिल को रुहानी प्रेम से भर देता है, हमें महसूस कराता है कि "बच्चे - मैं सदा तेरे साथ हूँ." बाबा की मुरलियाँ हमें अतीन्द्रिय सुख देती है. हमारी आत्मा खुशी से झूम उठती है. हमें अहसास होता है कि "पाना था वह पा लिया और क्या बाकी रहा!"

आज की मुरली से मीठे बाबा के कुछ अति मीठे महा-वाक्यों को फिर से पढ़ेंगे और अतीन्द्रिय सुख का आनंद लेंगे.

- बाबा कहते है अब यह गीत (कौन आया मेरे मन के द्वारे पायल कि झनकार लिए, कौन आया...) में सालिग्राम बच्चों की आत्मा ये तो कहती है कि हमारे दिल में कौन (बाबा) आया है. जो आकर ज्ञान डांस करते हैं. शास्त्रों में तो लिख दिया है गोपिकायें कृष्ण को नाच नचाती थी, यह तो होता नहीं. अब बाबा कहते हैं - हे सालिग्राम बच्चों. तुम बच्चे जानते हो हमारी दिल में किस की याद आती है! यह एक ही समय है जब तुम बच्चों को उनकी (बाप की) याद रहती है.

- बाबा कहते है तुम मुझे रोज याद करते हो तो तुम्हारी धारणा भी बहुत अच्छी रहेगी. जैसे मैं डायरेक्सन देता हूँ वैसे तुम याद करते हो तो माया भी तुम से दूर रहेगी. रात को जब सोते हो तो आधा घण्टा बाबा की याद में बैठना चाहिए. बाप को बहुत प्यार से याद करना है. कहना है शिवबाबा आप ही आत्माओं के बाप हो. सबको आपसे ही वर्सा मिलता है.

- बाबा कहते है दिन को भले धंधा आदि करो, रात में और सवेरे-सवेरे बाप को अच्छी तरह से याद करो. जिसको तुमने अपना बनाया है उसे बड़े प्यार से याद करेंगे तो मदद मिलेगी.

- बाबा कहते है बाप को याद करना तो तुम्हारे लिए बहुत सहज है. तुम कहते हो वह हमारा बाप भी है, टीचर भी है सतगुरु भी है. बाबा ही सबको वापस ले जाने वाला है. ऐसे-ऐसे ख्यालात करते रहो. रात को सोते भी यह नॉलेज घूमती रहे, सुबह को उठते भी यही नॉलेज याद रहे. ऐसा बाप तो और कोई हो नहीं सकता.

- बाबा कहते है भक्ति मार्ग में तुम ही गाते आये हो वारी जाऊं.....तो अब एक जन्म तुम मेरे पर वारी जाते हो तो बाप भी तुम्हें २१ जन्मो के लिए राज्य-भाग्य देते है.

- बाबा तुम्हें राय देते हैं अमृतवेले भी कैसे बाबा से बातें करो. बाबा, आप बेहद के बाप, टीचर हो. आप ही बेहद के वर्ल्ड की हिस्ट्री-जॉग्राफी बता सकते हो.

- बाबा कहते है रात को बाबा की याद में बैठने का नियम रखो तो बहुत अच्छा है. नियम बनायेंगे तो तुमको खुशी का पारा चढ़ा रहेगा फिर और कोई कष्ट नहीं होंगे. दिन में भी बाबा को याद कर बाप की सेवा पर जाओ तो माया के तूफान से बचे रहेंगे.

- बाबा कहते है बाप आकर ज्ञान डांस कराते हैं तुम गोप-गोपियों को. कहाँ भी बैठे हो बाबा को याद करते रहो तो अवस्था बहुत अच्छी रहेगी. जैसे बाप ज्ञान और योग के नशे में रहते हैं तुम बच्चों को भी सिखलाते हैं. तो तुम्हें सदा खुशी का नशा रहेगा. बाप की याद में रहकर बाप से मीठी-मीठी बातें करते रहो.

ॐ शांति.